सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर चार वर्षीय आठ सेमेस्टर वाले प्रथम सेमेस्टर व द्वितीय सेमेस्टर का अर्हता परीक्षा का पाठ्यक्रम, जो ऐसे छात्रों के लिये है, जिन्होनें अपनी बारहवीं(12TH) की परीक्षा बिना संस्कृत विषय के ही उत्तीर्ण है। कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक– 24.11.2023 में अनुमोदित विशेष अर्हता परीक्षा **नवमं पत्र** का पूर्णांक 50 अंको का तथा उत्तीर्णांक 18 अंकों का होगा।

अर्हता परीक्षा का पाठ्यक्रम–

प्रथम सेमेस्टर के लिये–

सन्धि प्रकरण–अच्सन्धि,हल्सन्धि तथा विसर्गसन्धि का परिज्ञान।

कारक प्रकरण–विभिन्न विभक्तियों के अर्थो का अध्ययन।

षड्लिंग प्रकरण–अजन्त पुल्लिंग, अजन्त स्त्रीलिंग, अजन्त नपुंसक लिंग, हलन्त पुल्लिंग, हलन्त स्त्रीलिंग, हलन्त नपुंसक लिंग।

अनुवाद–उपर्युक्त प्रकरणों से सम्बन्धित अनुवाद।

द्वितीय सेमेस्टर के लिये–

समासप्रकरण–अव्ययी भाव, तत्पुरूष, बहुब्रिहि, द्वन्द्व तथा भ्वादि प्रकरण तथा कृदन्तप्रकरण।

अनुवाद–प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के व्याकरणांशों पर आधारित अनुवाद।

प्रवेश अर्हता का नियम/निर्देश–

ऐसे छात्र जो इण्टरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा बिना संस्कृत विषय के उत्तीर्ण हैं, उनके चार वर्षीय आठ सेमेस्टर वाले शास्त्री के नवीन पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने पर नवम् पत्र के रूप में प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के साथ स्तम्भ–2 में लिखित पाठ्यक्रम की अतिरिक्त अर्हता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। इस उत्तीर्णता के सापेक्ष कोई क्रेडिट देय नहीं होगा।

(प.नि.)